Class XI Session 2025-26
Subject - Hindi Core
Sample Question Paper - 8

निर्धारित समय: 3 घंटे **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए :-

- यह प्रश्न-पत्र तीन खण्डों में विभाजित है।
- खंड - क में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- खंड - ख में पाठ्यपुस्तक अभिव्यक्ति और माध्यम से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- खंड - ग में पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड क (अपठित बोध)

1. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-(10)** **[10]**

प्रसिद्ध दार्शनिक नीत्शे एक ऐसा देवता तलाश रहे थे, जो मनुष्य की पहुँच में हो। उसी की तरह नाच-गा सके। जीवन से भरपूर हो। हँसे-रोए, काम करे-कराए बिल्कुल आदमी की तरह। नीत्शे को ऐसा देवता नहीं मिला तो उसने कह दिया, "ईश्वर मर गया है।"
लगता है कि नीत्शे को कृष्ण की जानकारी नहीं थी। वे नाचते, गाते हैं, काम करते हैं और योगी भी है-कर्मयोगी भी। काम करो, बाकी सब भूल जाओ-यह है उनका अनासक्त कर्म। यहाँ तक कि काम के फल की भी इच्छा मत करो-कर्मण्येवाधिकारस्ते।
अजीब विरोधाभास है। काम करने का निराला ढंग है कि काम तो पूरे मन से करो, ईश्वर का आदेश समझकर करो पर उससे परे भी रहो। काम पूरा होते अनासक्त हो जाओ। यों कृष्ण जो भी करते हैं उसमें गजब की आसक्ति दिखाई देती। है- चाहे ग्वाले का काम हो, रसिक बिहारी का हो, सारथि का हो, उपदेष्टा या मार्गदर्शक का, वे मनोयोग से अपनी भूमिका निभाते दिखाई पड़ते हैं और अगले ही क्षण उससे अलग, जैसे कमल के पत्ते पर पड़ा पानी। जीवन का प्रत्येक पल पूरेपन से जीना और चिपकना नहीं, यही अनासक्ति है। उनमें कहीं अधूरापन दिखाई ही नहीं देता। पीछे मुड़ने का उन्हें अवकाश ही नहीं है। यह कृष्ण जैसा कर्मयोगी ही कर सकता है। वे विश्वरूप हैं, परंतु अहंकार का कहीं नाम तक नहीं। गाय चराने या रथ हाँकने का काम करने में भी उन्हें कोई हिचक नहीं।

(i) नीत्शे किस प्रकार का देवता तलाश रहे थे? (1)

क) जो केवल हँसे-रोए
ख) जो मनुष्य की पहुँच में हो
ग) जो केवल योगी हो
घ) जो केवल नाच-गा सके

(ii) कृष्ण किस प्रकार का योगी हैं? (1)

क) ज्ञानयोगी
ख) भक्तियोगी
ग) कर्मयोगी
घ) हठयोगी

(iii) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए - (1)

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

कथन (I) : नीत्शे ऐसे देवता की खोज में थे जो जीवन से भरपूर हो और मनुष्य की तरह आचरण करे।

कथन (II) : कृष्ण अपने कार्य में पूरी तरह जुड़ते हैं, लेकिन उससे आसक्त नहीं होते।

कथन (III) : कृष्ण के अनुसार कार्य करते समय उसके फल की इच्छा करनी चाहिए।

कथन (IV) : कृष्ण जीवन के हर पल को पूर्णता से जीते हैं।

गद्यांश के अनुसार कौन-सा/से कथन सही हैं?

क) केवल कथन (I), (II) और (IV) सही हैं।

ख) केवल कथन (I) और (III) सही हैं।

ग) केवल कथन (II) और (III) सही हैं।

घ) केवल कथन (I), (III) और (IV) सही हैं।

(iv) नीत्शे ने "ईश्वर मर गया है" क्यों कहा? (1)

(v) कृष्ण किस प्रकार का कर्म करने की सलाह देते हैं? (2)

(vi) कृष्ण के जीवन में अनासक्ति का क्या महत्व है? (2)

(vii) कृष्ण के कर्मयोगी होने का क्या उदाहरण दिया गया है? (2)

2. **निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों को ध्यान से पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (8)** **[8]**

धर्माधिराज का ज्येष्ठ बनूँ?
भारत में सबसे श्रेष्ठ बनूँ?
कुल की पोशाक पहन करके,
सिर उठा चलूँ कुछ तन करके?
इस झूठमूठ में रखा क्या है।
केशव ! यह सुयश, सुयश क्या है !
विक्रमी पुरुष, लेकिन सिर पर
चलता ने छत्र पुरखों का धर।
अपना बल तेज जगाता है,
सम्मान जगत से पाता है।
सब उसे देख ललचाते हैं।
कुल गोत्र नहीं साधन मेरा,
पुरुषार्थ एक बस धन मेरा,
कुल ने तो मुझको फेंक दिया।
मैंने हिम्मत से काम लिया।
अब वंश चकित भरमाया है,
खुद मुझे ढूँढने आया है।
जिस नर की बाँह गही मैंने।
जिस तक की छाँह गही मैंने
जीते जी उसे बचाऊँगा।
या आप स्वयं कर जाऊँगा।

i. **काव्यांश में व्यक्त विचार के आधार पर सही कथन का चयन कीजिए: (1)**

I. कवि पुरुषार्थ को सबसे बड़ा साधन मानता है।

II. कवि कुल गोत्र पर आधारित जीवन को महत्वहीन मानता है।

III. कवि पुरखों के गौरव को अपने जीवन का आधार मानता है।

IV. कवि अपने प्रयासों से समाज में सम्मान प्राप्त करता है।

विकल्प:

क) कथन I और II सही हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

ख) कथन I, II और IV सही हैं।

ग) केवल कथन III सही है।

घ) कथन I, III और IV सही हैं।

ii. **'पुरुषार्थ एक बस धन मेरा' पंक्ति में 'पुरुषार्थ' का क्या अर्थ है? (1)**

क) शक्ति और संपत्ति

ख) परिश्रम और साहस

ग) ज्ञान और बुद्धिमत्ता

घ) सामाजिक प्रतिष्ठा

iii. **नीचे दिए गए कॉलम 1 को कॉलम 2 से सुमेलित कीजिए: (1)**

कॉलम 1	कॉलम 2
I. पुरुषार्थ का महत्व	1 - केवल अपना बल तेज।
II. कुल गोत्र पर कवि का दृष्टिकोण	2 - साधन नहीं मानता।
III. कवि का सम्मान पाने का तरीका	3 - हिम्मत और प्रयास।

विकल्प:

क) I - (1), II - (2), III - (3)

ख) I - (2), II - (1), III - (3)

ग) I - (3), II - (2), III - (1)

घ) I - (3), II - (2), III - (1)

iv. **कर्ण ने पांडव-कुलकी श्रेष्ठता को क्यों ठुकराया? (1)**

v. **कर्ण किसे बचाने का संकल्प कर रहा है और क्यों? (2)**

vi. **'जिस नर की बाँह गही मैंने, जिस तक की छाँह गही मैंने' का क्या तात्पर्य है? (2)**

खंड- ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर)

3. **दिए गए तीन विषयों में से किसी एक विषय पर आधारित लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेखन लिखिए।** **[6]**

   i. **आतंकवाद की समस्या** विषय पर निबंध लिखिए। **[6]**

   ii. **पर्यावरण प्रदूषण** विषय पर निबंध लिखिए। **[6]**

   iii. **इंटरनेट की अपरिहार्यता** विषय पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

4. वन-महोत्सव के अवसर पर वन विभाग द्वारा अनेक वृक्ष लगाए गए थे। उपेक्षा के कारण अब वे सूखते जा रहे हैं। इस समस्या की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए किसी प्रतिष्ठित दैनिक-पत्र के सम्पादक को पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

आप साहिल/सारा हैं। नगर-निगम अधिकारी को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखकर अपने मोहल्ले के पार्क की दुर्व्यवस्था को सुधारने का निवेदन कीजिए। पार्क में बिजली और स्वच्छता का अभाव है, जिसके कारण वह असामाजिक तत्त्वों का अड्डा बन गया है।

5. **अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[11]**

   i. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिये: (2 X 4 = 8)**

      i. संचार के साधन कौन-कौन से हैं? **[2]**

      ii. स्ववृत्त की भाषा कैसी होनी चाहिए? **[2]**

      iii. संयुक्त व्यंजन वाले शब्द कहाँ मिलते हैं? उदाहरण सहित लिखिए। **[2]**

      iv. सिनेमा का आविष्कार किसने व कब किया? **[2]**

      v. आप डीएवी विद्यालय में पढ़ते हैं। विद्यालय में वार्षिक खेल महोत्सव होने जा रहा है उसकी पाँचवी बैठक के लिए एक कार्यसूची तैयार कीजिए। **[2]**

   ii. i. पटकथा के लिए सर्वप्रथम आवश्यक तत्त्व क्या होता है? **[3]**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

अथवा

i. **भारत में डायरी लेखन की परंपरा नई नहीं है।** इस कथन पर अपने विचार लिखिए। **[3]**

खंड- ग (आरोह भाग - 1 एवं वितान भाग-1 पाठ्यपुस्तकों के आधार पर)

6. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

हे मेरे जूही के फूल जैसे ईश्वर
मँगवाओ मुझसे भीख
और कुछ ऐसा करो
कि भूल जाऊँ अपना घर पूरी तरह
झोली फैलाऊँ और न मिले भीख
कोई हाथ बढ़ाए कुछ देने को
तो वह गिर जाए नीचे
और यदि मैं झुकूँ उसे उठाने
तो कोई कुत्ता आ जाए
और उसे झपटकर छीन ले मुझसे।

i. **अपना घर भूलने** से आशय है:

क) सांसारिक झंझट और प्रकृति दोनों को भूलना　　ख) सांसारिक झंझट भूलना

ग) इनमें से कोई नहीं　　घ) प्रकृति को भूलना

ii. कवयित्री ने **जूही के फूल** की उपमा किससे की है?

क) ईश्वर　　ख) भाई

ग) माता　　घ) पिता

iii. कवयित्री सांसारिक मोह को नष्ट करने के लिए किस तरह कष्ट को उठती है?

क) एक तरह　　ख) तीन तरह

ग) हर तरह　　घ) दो तरह

iv. कवयित्री का अहं गलकर किसमें मिल जाता है?

क) पिता　　ख) माता

ग) ईश्वर　　घ) भाई

v. भूल का अर्थ है?

क) सभी विकल्प सही हैं　　ख) अज्ञानता

ग) भूलने का भाव　　घ) गलती

7. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (3 X 2 = 6 अंक)** **[6]**

i. ईश्वर के स्वरूप के विषय में कबीर क्या कहते हैं? **[3]**

ii. चंपा काले-काले अच्छर नहीं चीन्हती कविता में लेखक चंपा को पढ़ने के लिए किस प्रकार प्रेरित करता है? **[3]**

iii. आओ, मिलकर बचाएँ कविता में लेखिका के प्रकृतिक परिवेश में कौन-से सुखद अनुभव हैं? **[3]**

8. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (2 X 2 = 4 अंक)** **[4]**

i. सबसे खतरनाक कविता का प्रतिपाद्य बताइए। **[2]**

ii. मीरा जगत को देखकर रोती क्यों है? **[2]**

iii. साये में धूप गज़ल का उद्देश्य लिखिए। **[2]**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

अकसर जब मैं एक जलसे से दूसरे जलसे में जाता होता, और इस तरह चक्कर काटता रहता होता था, तो इन जलसों में मैं अपने सुनने वालों से अपने इस हिंदुस्तान या भारत की चर्चा करता। भारत एक संस्कृत शब्द है और इस जाति के परंपरागत संस्थापक के नाम से निकला हुआ है। मैं शहरों में ऐसा बहुत कम करता, क्योंकि वहाँ के सुनने वाले कुछ ज़्यादा सयाने थे और उन्हें दूसरे ही किस्म की गिज़ा की ज़रूरत थी। लेकिन किसानों से, जिनका नज़रिया महदूद था, मैं इस बड़े देश की चर्चा करता, जिसकी आज़ादी के लिए हम लोग कोशिश कर रहे थे और बताता कि किस तरह देश का एक हिस्सा दूसरे से जुदा होते हुए भी हिंदुस्तान एक था। मैं उन मसलों का ज़िक्र करता, जो उत्तर से लेकर दक्खिन तक और पूरब से लेकर पच्छिम तक, किसानों के लिए यक-साँ थे, और स्वराज्य का भी ज़िक्र करता, जो थोड़े लोगों के लिए नहीं, बल्कि सभी के फ़ायदे के लिए हो सकता था।

i. लेखक ने **भारत** शब्द को किस भाषा का बताया है?

क) उर्दू का　　ख) अंग्रेजी का

ग) हिंदी का　　घ) संस्कृत का

ii. शहरी लोग सयाने क्यों हैं?

क) क्योंकि वे अपनी रूचि को दूसरों पर थोपते हैं　　ख) क्योंकि वे दूसरों की रूचि को अपना लेते हैं

ग) क्योंकि वे दूसरों से अनभिज्ञ होते हैं　　घ) क्योंकि उनकी रूचि अलग किस्म की होती है

iii. लेखक अपने भाषण में किसकी चर्चा करते थे?

क) स्वयं की　　ख) स्वराज्य की

ग) किसानों की　　घ) विदेशी राज्य की

iv. लेखक देश की चर्चा किसानों से क्यों करते थे?

क) क्योंकि उनका नजरिया विस्तृत था　　ख) क्योंकि उनका नजरिया मज़बूत था

ग) क्योंकि उनका नजरिया सीमित था　　घ) क्योंकि उनका नजरिया विभाजित था

v. गद्यांश में **एक समान** अर्थ प्रकट करने वाला शब्द है-

क) मसले　　ख) महदूद

ग) स्वराज्य　　घ) यकसाँ

10. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (3 X 2 = 6 अंक)** **[6]**

i. किसी फिल्म की शूटिंग करते समय फिल्मकार को जिन समस्याओं का सामना करना पड़ता है, उन्हें सूचीबद्ध कीजिए। **[3]**

ii. जामुन का पेड़ पाठ में पेड़ के बजाय आदमी को काटने की सलाह पर टिप्पणी करें। **[3]**

iii. ट्यूशन रैकेट को रोकने के लिए रजनी क्या करती है? **[3]**

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (2 X 2 = 4 अंक)** **[4]**

i. मियाँ नसीरुद्दीन के चरित्र पर अपनी टिप्पणी करें। **[2]**

ii. राजकुमार सुल्तान ने नरवरगढ़ से किन शब्दों में विदा ली थी? **विदाई-संभाषण** पाठ के आधार पर बताइए। **[2]**

iii. गलता लोहा पाठ में धनराम मोहन को अपना प्रतिद्वंद्वी क्यों नहीं समझता था? **[2]**

12. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (5 X 2 = 10 अंक)** **[10]**

i. कुमार गंधर्व ने लता मंगेशकर के गायन को चमत्कार की संज्ञा क्यों दी है? **[5]**

ii. कुंई का अपने शब्दों में वर्णन कीजिए। **[5]**

iii. **आलो-आँधारि** पाठ में मोहल्लेवासियों का लेखिका के प्रति कैसा रवैया था? **[5]**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Solution

खंड क (अपठित बोध)

1. i. ख) जो मनुष्य की पहुँच में हो
   ii. ग) कर्मयोगी
   iii. क) केवल कथन (I), (II) और (IV) सही हैं।
   iv. नीत्शे ने "ईश्वर मर गया है" इसलिए कहा क्योंकि उन्हें ऐसा देवता नहीं मिला जो मनुष्य की पहुँच में हो और जीवन से भरपूर हो।
   v. कृष्ण सलाह देते हैं कि काम करो, बाकी सब भूल जाओ और काम के फल की भी इच्छा मत करो।
   vi. कृष्ण के जीवन में अनासक्ति का महत्व यह है कि वे प्रत्येक काम पूरे मन से करते हैं लेकिन उससे चिपकते नहीं हैं, जैसे कमल के पत्ते पर पड़ा पानी।
   vii. कृष्ण के कर्मयोगी होने का उदाहरण यह है कि वे ग्वाले का काम, रसिक बिहारी का काम, सारथि का काम और उपदेष्टा का काम मनोयोग से करते हैं और अगले ही क्षण उससे अलग हो जाते हैं।
2. i. ख) कथन I, II और IV सही हैं।
   ii. ख) परिश्रम और साहस
   iii. क) I - (1), II - (2), III - (3)
   iv. कुंती पुत्र कहलाने की अपेक्षा स्वयं की पहचान को महत्त्व देना।
   v. कौरवों द्वारा आश्रय दिए जाने के कारण कर्ण द्वारा उन्हें बचाने का संकल्प करना
   vi. 'जिस नर की बाँह गही मैंने, जिस तक की छाँह गही मैंने' का तात्पर्य है कि कवि ने जिस व्यक्ति का साथ देने का निर्णय लिया है, उसे वह पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ जीवन भर निभाएगा। वह उसकी रक्षा करेगा और उसके लिए अपना सब कुछ न्योछावर करने को तैयार रहेगा।

खंड- ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर)

3. दिए गए तीन विषयों में से किसी एक विषय पर आधारित लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेखन लिखिए।

(i) **आतंकवाद की समस्या**

आतंकवाद आज के समय की एक गंभीर समस्या है। इसका उद्देश्य भय और आतंक फैलाना है। आतंकवादी अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए निर्दोष लोगों की जान लेते हैं और समाज में अस्थिरता पैदा करते हैं। यह मानवता के खिलाफ एक जघन्य अपराध है जो धर्म, जाति या राष्ट्रीयता की सीमाओं से परे है। आतंकवाद के कई रूप होते हैं, जैसे आत्मघाती हमले, बम विस्फोट, और अपहरण। इसके कारण समाज में भय का माहौल बनता है और सामान्य जीवन बाधित होता है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, जैसे राजनीतिक अस्थिरता, सामाजिक असमानता, धार्मिक कट्टरता, और आर्थिक समस्याएँ।

आतंकवाद से निपटने के लिए सरकार और सुरक्षा बल लगातार प्रयास करते रहते हैं। कड़े कानून, गुप्तचर तंत्र की मजबूती, और अंतरराष्ट्रीय सहयोग इसके खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आम नागरिकों का भी दायित्व है कि वे सतर्क रहें और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना संबंधित अधिकारियों को तुरंत दें।

आतंकवाद का समाधान केवल सुरक्षा उपायों से नहीं हो सकता। इसके लिए सामाजिक और आर्थिक विकास, शिक्षा का प्रचार, और लोगों में भाईचारे की भावना का विकास भी आवश्यक है जब तक हम सभी मिलकर इसके खिलाफ कदम नहीं उठाएंगे, तब तक इस समस्या का पूर्ण समाधान संभव नहीं है। हमें एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ लड़ना होगा और अपने समाज को सुरक्षित और शांतिपूर्ण बनाना होगा।

(ii) **पर्यावरण प्रदूषण**

पर्यावरण प्रदूषण आज के समय की एक गंभीर समस्या है। यह न केवल मानव जीवन को प्रभावित कर रहा है, बल्कि समस्त जीव-जंतुओं और प्राकृतिक संसाधनों को भी नुकसान पहुँचा रहा है। प्रदूषण के विभिन्न प्रकार और उनके प्रभावों को समझना आवश्यक है ताकि हम इसे नियंत्रित करने के उपाय कर सकें।

पर्यावरण प्रदूषण के प्रकार

वायु प्रदूषण: वायु में हानिकारक गैसों और धूलकणों का मिलना वायु प्रदूषण कहलाता है। यह वाहनों, उद्योगों और अन्य मानवीय गतिविधियों से उत्पन्न होता है। **जल प्रदूषण**: जल में हानिकारक रसायनों, कचरे और अन्य प्रदूषकों का मिलना जल प्रदूषण कहलाता है। यह उद्योगों के अपशिष्ट, कृषि रसायनों और घरेलू कचरे से होता है।

मृदा प्रदूषण: मृदा में हानिकारक रसायनों और कचरे का मिलना मृदा प्रदूषण कहलाता है। यह कृषि रसायनों, औद्योगिक कचरे और प्लास्टिक के उपयोग से होता है। **ध्वनि प्रदूषण**: अत्यधिक शोर और ध्वनि का स्तर ध्वनि प्रदूषण कहलाता है। यह वाहनों, उद्योगों और अन्य मानवीय गतिविधियों से उत्पन्न होता है।

पर्यावरण प्रदूषण के प्रभाव

स्वास्थ्य पर प्रभाव: प्रदूषण से विभिन्न बीमारियाँ होती हैं जैसे कि श्वसन रोग, हृदय रोग और कैंसर। बच्चों और बुजुर्गों पर इसका प्रभाव अधिक होता है।

पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रभाव: प्रदूषण से पारिस्थितिकी तंत्र का संतुलन बिगड़ता है। जलवायु परिवर्तन, वन्यजीवों की मृत्यु और प्राकृतिक संसाधनों की कमी इसके प्रमुख उदाहरण हैं।

आर्थिक प्रभाव: प्रदूषण से आर्थिक नुकसान भी होता है। स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च, कृषि उत्पादन में कमी और पर्यटन उद्योग पर प्रभाव इसके उदाहरण हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रदूषण रोकने के उपाय

पुनर्चक्रण और पुन:

उपयोग: कचरे को पुनर्चक्रित करना और पुन: उपयोग करना प्रदूषण को कम करने का एक प्रभावी तरीका है।

स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग: सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और जल ऊर्जा का उपयोग करके हम प्रदूषण को कम कर सकते हैं।

जन जागरूकता: लोगों को प्रदूषण के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करना और उन्हें पर्यावरण संरक्षण के उपायों के प्रति प्रेरित करना आवश्यक है।

(iii) **इंटरनेट की अपरिहार्यता**

आज के युग में इंटरनेट हमारे जीवन का एक अभिन्न हिस्सा बन चुका है। यह न केवल सूचना और संचार का माध्यम है, बल्कि शिक्षा, व्यापार, मनोरंजन और सामाजिक संपर्क का भी महत्वपूर्ण साधन है। इंटरनेट ने दुनिया को एक छोटे गाँव में बदल दिया है, जहाँ किसी भी कोने से किसी भी जानकारी तक पहुँचना अब कुछ ही क्लिक की दूरी पर है।

इंटरनेट की अपरिहार्यता का सबसे बड़ा उदाहरण शिक्षा के क्षेत्र में देखा जा सकता है। ऑनलाइन कक्षाओं, वेबिनार्स और डिजिटल लाइब्रेरीज़ ने शिक्षा को अधिक सुलभ और प्रभावी बना दिया है। विद्यार्थी अब किसी भी विषय पर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और अपने ज्ञान को बढ़ा सकते हैं।

व्यापार और उद्योग में भी इंटरनेट ने क्रांति ला दी है। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स ने खरीदारी और व्यापार को आसान बना दिया है। अब व्यापारी अपने उत्पादों को वैश्विक बाजार में बेच सकते हैं और उपभोक्ता भी घर बैठे अपनी जरूरत की चीजें मंगवा सकते हैं।

मनोरंजन के क्षेत्र में भी इंटरनेट का योगदान महत्वपूर्ण है। स्ट्रीमिंग सेवाओं, ऑनलाइन गेम्स और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स ने लोगों के मनोरंजन के तरीके को पूरी तरह से बदल दिया है। अब लोग अपनी पसंदीदा फिल्में, गाने और शो कभी भी और कहीं भी देख सकते हैं।

सामाजिक संपर्क के लिए भी इंटरनेट एक महत्वपूर्ण साधन बन गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स ने लोगों को एक-दूसरे से जोड़ने का काम किया है। अब लोग अपने दोस्तों और परिवार से दूर रहकर भी जुड़े रह सकते हैं और अपनी खुशियाँ और दुख बाँट सकते हैं।

इस प्रकार, इंटरनेट की अपरिहार्यता को नकारा नहीं जा सकता। यह हमारे जीवन के हर पहलू को प्रभावित करता है और इसे अधिक सुविधाजनक और समृद्ध बनाता है। हालांकि, इसके सही और सुरक्षित उपयोग की भी आवश्यकता है ताकि हम इसके फायदों का पूरा लाभ उठा सकें।

4. पी-275/4
वसंत कुंज
दिल्ली
दिनांक 17 जनवरी, 2019
सम्पादक महोदय,
नवभारत टाइम्स,
बहादुरशाह जफर मार्ग,
नई दिल्ली।
विषय- सूखते पेड़ों के विषय में सम्बन्धित अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करने के सम्बन्ध में।
महोदय,
मैं आपके समाचार पत्र का नियमित पाठक हूँ | और इस सम्मानित पत्र के माध्यम से अपने मोहल्ले के पास स्थित पार्क में सूखते वृक्षों की ओर ध्यान आकर्षित कराना चाहता हूँ। श्रीमानजी, मोहल्ले वालों के बार-बार अनुरोध करने के बाद वन विभाग ने परती पड़े पार्क में वृक्ष लगवा दिए, किंतु उनके रख रखाव का कोई स्थायी प्रबंध नहीं किया और पूछने पर कोई संतोषजनक उत्तर भी नहीं दिया | फलस्वरूप कई दिन बीत जाने के बाद भी उन वृक्षों को पानी नहीं दिया जा रहा है। इससे कई वृक्ष सूख गए हैं तथा बाकी मुरझाए हुए हैं। यदि इन वृक्षों की शीघ्र सिंचाई न की गई तो बाकी बचे वृक्ष भी सूख जाएँगे।इस तरह का कार्य सिर्फ खाना पूर्ति मात्र है। वन विभाग के कर्मचारियों को कई बार मौखिक रूप से कहा गया है, किंतु उसका कोई असर नहीं हुआ। न ही वे दोबारा हमारे क्षेत्र में आयें। हम मोहल्ले वाले इन वृक्षों को सूखने से बचाना चाहते हैं।
आपसे निवेदन है कि इसे अपने समाचार पत्र में स्थान देने की कृपा करें ताकि सम्बन्धित अधिकारी इस विषय पर आवश्यक कदम उठाएँ | लापरवाह लोगों के खिलाफ कार्यवाही भी हो सके और पार्क के रख रखाव का स्थायी प्रबंध हो सके।
धन्यवाद सहित,
विजय

अथवा

सेवा में,
नगर निगम अधिकारी,
रायपुर (छ.ग.)।
विषय- पार्क की दुर्व्यवस्था को सुधारने हेतु आवेदन-पत्र।
महाशय,
मैं साहिल, वार्ड क्र.- 7, राजेंद्र नगर, रायपुर (छ.ग.) का निवासी हूँ। मैं एक ज़िम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाते हुए आपका ध्यान हमारे पड़ोस के पार्क की बिगड़ती स्थिति की तरफ़ खींचना चाहता हूं। पार्क में बिजली और सफाई जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है, जिससे यह सामुदायिक समारोहों और मनोरंजक गतिविधियों के लिए अनुपयोगी हो गया है। ख़ासकर शाम के समय, उचित प्रकाश व्यवस्था का अभाव सुरक्षा के लिए ख़तरा पैदा करता है। इसके अलावा, सफाई और बिजली की कमी ने पार्क को असामाजिक तत्वों के जमावड़े का स्थान बना दिया है। मैं आपसे पार्क के बुनियादी ढांचे और रखरखाव में सुधार के लिए तत्काल हस्तक्षेप करने का अनुरोध करता हूँ। इन सुविधाओं को बढ़ाने से न केवल निवासियों को लाभ होगा, बल्कि सभी के लिए एक सुरक्षित

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

और स्वस्थ वातावरण को बढ़ावा मिलेगा।
अतः आपसे अनुरोध है कि आप इस मामले पर त्वरित ध्यान देने की कृपा करें। ताकि पार्क की दुर्व्यवस्था जल्द से जल्द बहाल हो जाए।
सधन्यवाद !
भवदीय
साहिल
वार्ड क्र.- 7, राजेंद्र नगर, रायपुर (छ.ग.)।

5. अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

(i) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिये: (2 X 4 = 8)

i. संचार के मुख्य साधन- टेलीफोन, इंटरनेट, समाचार-पत्र, फैक्स, रेडियो, टेलीविजन, सिनेमा आदि हैं।

ii. स्ववृत्त में अलंकारिक भाषा की गुंजाइश नहीं है। इसीलिए इसकी शैली सरल, सीधी, सटीक और साफ़ होनी चाहिए. ताकि पढ़ने वाले को सारी बातें एक ही नज़र में स्पष्ट हो जाएँ और अर्थ निकालने के लिए दिमाग पर ज़ोर न डालना पड़े।

iii. दो व्यंजन के संयुक्त रूप को कहते हैं संयुक्त वयंजन जैसे- क्ष, त्र, ज्ञ, श्र।
उस तरह संयुक्त शब्द भी इनसे ही बनेंगे।
क्ष से- क्षेत्र, क्षत्रिय,क्षमा, क्षण, क्षणभंगुता, क्षणिक क्षयकारी, क्षयग्रस्त, क्षयरोग।
त्र से- त्रिशूल, त्राल, त्रासक, त्रयंबकम, त्राहि-त्राहि, त्रयोदशी, त्रिपाठी, त्रिवेदी, त्रिकुटी,त्रस्त, त्रय,त्राण ,त्रिपाठी,त्रिलोक त्रयोदशी, त्रिवेदी, ।
ज्ञ से- ज्ञानी, ज्ञान, ज्ञानेश्वर, ज्ञानेश्वरी,अज्ञान, अज्ञात,अज्ञानी।
श्र से- श्रम, श्रमिक, श्री, श्रावणी, श्रोत, श्रेणी, श्राद्ध, श्रावणी, श्रेष्ठ।

iv. थॉमस अल्वा एडीसन के द्वारा सन् 1883 में 'मिनेटिस्कोप की खोज' के साथ ही सिनेमा अस्तित्व में आया। विश्व की पहली फ़िल्म 'द अरायवल ऑफ ट्रेन' 1894 में फ्रांस में बनी।

v.

कार्यसूची

डी.ए.वी. स्कूल के वार्षिक खेल महोत्सव हेतु पाँचवी बैठक की कार्यसूची

23 सितम्बर, 2020

1. चौथी बैठक के कार्यवृत्त की संपुष्टि
2. पिछली बैठकों के लिए किए गर निर्णयों के अनुपालन की समीक्षा
3. महोत्सव में अधिक छात्रों को भाग लेने के लिए प्रोत्साहन करने पर चर्चा
4. खेल महोत्सव की गुणवत्ता बढ़ाने पर चर्चा
5. महोत्सव के इस्तेमाल में आने वाली धन राशि को बढ़ाने पर चर्चा
6. प्रधानाचार्य की अनुमति से किसी भी अन्य विषय पर विमर्श

श्री राधेश्याम मिश्र
(श्री राधेश्याम मिश्र)
प्रधानाचार्य

निम्नलिखित सदस्य कार्यसूची के अवलोकन उपरान्त हस्ताक्षर करें-

क्र. सं.	सदस्य का नाम	पदनाम	हस्ताक्षर
1	श्री त्रिभुवन शर्मा	स्कूल निदेशक	
2	श्रीमती जानकी वर्मा	उप प्रधानाचार्य	
3	श्री रामविलास	हिंदी अध्यापक	

(ii) i. शीर्षक, घटना, कथा और संवाद। कहानी को दृश्यात्मक रूप में परिवर्तित करने के लिए उसमें संवाद डालने पड़ते हैं। उसमें घटनाओं को एक व्यवस्थित क्रम देना पड़ता है। अन्य तीनों तत्त्व शीर्षक, घटना, संवाद भी पटकथा के लिए आवश्यक हैं लेकिन पटकथा के लिए सबसे आवश्यक तत्त्व कथा ही होती है। बिना कथा के कोई पटकथा नहीं बनाई जा सकती है।

अथवा

i. यह कथन "भारत में डायरी लेखन की परंपरा नई नहीं है" पूर्णतः सत्य है। भारत में 'बही' लिखने की परंपरा बहुत दिनों पुरानी है। व्यापारी भी प्रतिदिन का लेखा-जोखा 'बही खाते में ही करते आए हैं। पिछली कई शताब्दियों से भारत में डायरी लिखी जा रही है। प्राय: सभी सम्राटों, राजाओं के यहाँ रोजनामचे लिखने वालों की नियुक्ति इस कार्य के लिए की जाती थी। 'तारीख' या 'तवारीख' शब्द से स्पष्ट है कि उसे युग में ऐतिहासिक कृतियाँ पहले दैनंदिनी विवरण के रूप में प्रस्तुत होती थी। मुस्लिम इतिहासकार इस पद्धति से इतिहास लिखा करते थे। प्राचीन हस्तलिखित पुस्तकें एवं बहियें इस बात का प्रमाण हैं कि राजघरानों एवं सम्पन्न परिवारों में कहीं कहीं दैनंदिनी (डायरी) लिखने की परंपरा थी।

खंड- ग (आरोह भाग - 1 एवं वितान भाग-1 पाठ्यपुस्तकों के आधार पर)

6. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

हे मेरे जूही के फूल जैसे ईश्वर
मँगवाओ मुझसे भीख

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

और कुछ ऐसा करो
कि भूल जाऊँ अपना घर पूरी तरह
झोली फैलाऊँ और न मिले भीख
कोई हाथ बढ़ाए कुछ देने को
तो वह गिर जाए नीचे
और यदि मैं झुकूँ उसे उठाने
तो कोई कुत्ता आ जाए
और उसे झपटकर छीन ले मुझसे।

(i) **(ख)** सांसारिक झंझट भूलना
व्याख्या:
'अपना घर भूलने' का आशय है- घर गृहस्थी के सांसारिक झंझट को भूलना।

(ii) **(क)** ईश्वर
व्याख्या:
ईश्वर

(iii) **(ग)** हर तरह
व्याख्या:
हर तरह

(iv) **(ग)** ईश्वर
व्याख्या:
ईश्वर

(v) **(क)** सभी विकल्प सही हैं
व्याख्या:
सभी विकल्प सही हैं

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (3 X 2 = 6 अंक)

(i) कबीरदास कहते हैं कि ईश्वर एक है और उसका कोई निश्चित रूप या आकार नहीं है। वह सर्वव्यापी है। अपनी बात को प्रमाणित करने के लिए उन्होंने कई तर्क दिए हैं; जैसे-संसार में एक जैसी हवा बहती है, एक जैसा पानी है तथा एक ही प्रकार का प्रकाश सबके अंदर समाया हुआ है। यहाँ तक कि एक ही प्रकार की मिट्टी से कुम्हार अलग-अलग प्रकार के बर्तन बनाता है। कबीरदास आगे कहते हैं कि बढ़ई लकड़ी को काटकर अलग कर सकता है परंतु आग को नहीं। यानी मूलभूत तत्वों (धरती, आसमान, जल, आग, और हवा) को छोड़कर शेष सबको काट कर आप अलग कर सकते हो। इसी तरह से शरीर नष्ट हो जाता है किंतु आत्मा सदैव बनी रहती। आत्मा परमात्मा का ही अंश है जो अलग-अलग रूपों में सबमें समाया हुआ है। अतः ईश्वर एक है उसके रूप अनेक हो सकते हैं।

(ii) लेखक चंपा से कहता है कि पढ़ाई कठिन समय में काम आती है। गाँधी बाबा की भी इच्छा थी कि सभी लोग पढ़े-लिखें। साथ ही कवि चंपा को समझाता है कि एक-न-एक दिन तुम्हारी शादी होगी, तुम अपने पति के साथ ससुराल जाओगी। वहाँ तुम्हारा पति रोजगार की तलाश में कलकत्ता (कोलकाता) जाएगा। उस समय अपना संदेश पत्र के माध्यम से उस तक पहुँचा सकोगी और पति के पत्र पढ़ सकेगी।

(iii) लेखिका ने संथाल परगने के प्राकृतिक परिवेश में निम्नलिखित सुखद अनुभव बताए हैं-

i. जंगल की ताजा हवा
ii. नदियों का शुद्ध और स्वच्छ जल
iii. पहाड़ों की शांति
iv. गीतों की मधुर धुनें
v. मिट्टी की स्वाभाविक सुगंध
vi. लहलहाती फसलें

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (2 X 2 = 4 अंक)

(i) यह कविता पंजाबी भाषा से अनूदित है। इस कविता में कवि समाज में बढ़ती जा रही उस खौफनाक स्थिति की ओर हमारा ध्यान आकर्षित करना चाहता है,जिसमें नृशंसता और क्रूरता बढ़ती चली जा रही है। जहाँ प्रतिकूलता से जूझने के संकल्प क्षीण पड़ते जा रहे हैं। पथरायी आँखों-सी तटस्थता से कवि की असहमति है। कवि इस प्रतिकूलता की तरफ विशेष संकेत करता है जहाँ आत्मा के सवाल बेमानी हो जाते हैं। जड़ स्थितियों को बदलने की प्यास के मर जाने और बेहतर भविष्य के सपनों के गुम हो जाने को कवि सबसे खतरनाक स्थिति मानता है।

(ii) मीरा संसार में लोगों को मोह-माया में लिप्त देखकर रोती है। मीरा के अनुसार संसार के सुख-दुःख ये सब मिथ्या हैं। मीरा सांसारिक सुख-दुःख को असार मानती है। उसे लगता है कि किस-प्रकार लोग सांसारिक मोह-माया को सच मान बैठे हैं और अपने जीवन को व्यर्थ ही गँवा रहें हैं और इसी कारण वे जगत को देखकर रोती है।

(iii) दुष्यंत कुमार जी के गज़ल संग्रह 'साये में धूप' से ली गई इस गज़ल का नामकरण भी संग्रह के नाम पर ही किया गया है। यह पूरी गज़ल एक विशेष मन: स्थिति में लिखी गई है। वर्तमान राजनीति और समाज में जो कुछ चल रहा है उसे कवि बदलना चाहता है। कवि किसी अच्छे विकल्प को मान्यता देना चाहता है। वर्तमान व्यवस्था चाहे वह सामाजिक हो या राजनैतिक, उससे कवि खिन्न है। इस स्वार्थ भरी व्यवस्था के स्थान पर कवि निस्स्वार्थ, त्याग और समर्पण लाना चाहता है। कवि पत्थरों और अँधेरों के स्थान पर रोशनी और नमी को स्थापित करना चाहता है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

अकसर जब मैं एक जलसे से दूसरे जलसे में जाता होता, और इस तरह चक्कर काटता रहता होता था, तो इन जलसों में मैं अपने सुनने वालों से अपने इस हिंदुस्तान या भारत की चर्चा करता। भारत एक संस्कृत शब्द है और इस जाति के परंपरागत संस्थापक के नाम से निकला हुआ है। मैं शहरों में ऐसा बहुत कम करता, क्योंकि वहाँ के सुनने वाले कुछ ज़्यादा सयाने थे और उन्हें दूसरे ही किस्म की गिज़ा की ज़रूरत थी। लेकिन किसानों से, जिनका नज़रिया महदूद था, मैं इस बड़े देश की चर्चा करता, जिसकी आज़ादी के लिए हम लोग कोशिश कर रहे थे और बताता कि किस तरह देश का एक हिस्सा दूसरे से जुदा होते हुए भी हिंदुस्तान एक था। मैं उन मसलों का ज़िक्र करता, जो उत्तर से लेकर दक्खिन तक और पूरब से लेकर पच्छिम तक, किसानों के लिए यक-साँ थे, और स्वराज्य का भी ज़िक्र करता, जो थोड़े लोगों के लिए नहीं, बल्कि सभी के फ़ायदे के लिए हो सकता था।

(i) **(घ)** संस्कृत का
व्याख्या:
संस्कृत का

(ii) **(घ)** क्योंकि उनकी रूचि अलग किस्म की होती है
व्याख्या:
क्योंकि उनकी रूचि अलग किस्म की होती है

(iii) **(ख)** स्वराज्य की
व्याख्या:
स्वराज्य की

(iv) **(ग)** क्योंकि उनका नजरिया सीमित था
व्याख्या:
क्योंकि उनका नजरिया सीमित था

(v) **(घ)** यकसाँ
व्याख्या:
यकसाँ

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (3 X 2 = 6 अंक)

(i) फिल्मकार निम्नलिखित समस्याओं का सामना करना पड़ता है-

i. फ़िल्म के लिए धन एकत्र करना।
ii. उसके बाद पात्रों के अनुरूप कलाकारों को चुनना।
iii. कलाकारों के समयानुसार शूटिंग का समय निश्चित करना।
iv. फिल्म के लिए सही लोकेशन ढूँढना।
v. लोकेशन के लिए सरकार तथा अधिकारियों से आदेश पत्र लेना।
vi. फिल्म के लिए संगीत तथा संगीतकार का चयन करना और अच्छा संगीत तैयार करवाना आदि।
vii. फिल्म का प्रचार करना।

(ii) एक मनचले क्लर्क ने सलाह दी कि यदि जामुन के फलदार पेड़ को बचाने की जरूरत है तो उसके नीचे दबे आदमी को काटकर निकाल लो। आजकल प्लास्टिक सर्जरी का ज़माना है , फिर उसे प्लास्टिक सर्जरी से जोड़ दिया जाएगा। इस तरीके से पेड़ भी बच जाएगा। यह सुझाव सरकारी बाबुओं की संवेदनशून्यता पर चोट करती है। ये ऊट-पटांग सुझाव देते हैं ताकि अफसर खुश रह सके।

(iii) रजनी ने जैसे ही अमित से उसके परीक्षा परिणाम से असंतोष के कारण को जाना वह अगले ही दिन उसके विद्यालय के प्रधानाचार्य से मिली। वहाँ पर उसकी समस्या का निवारण न होने पर वह शिक्षा निदेशक के कार्यालय पहुँची और ट्यूशन रैकेट को पर्दाफ़ाश किया, किंतु आश्चर्य की बात है कि वहाँ पर भी उसे निराशा ही हाथ लगी। रजनी फिर भी हारी नहीं, उसने व्यक्ति स्तर पर अन्य छात्रों के माता-पिता से संपर्क किया और समाचार-पत्र के संपादक से मिलकर आंदोलन का रूप ले चुके अपने इस कार्य को विज्ञापन के माध्यम से प्रसारित किया। उसने एक विशाल सभा का आयोजन कर सबको जगाया।

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (2 X 2 = 4 अंक)

(i) मियाँ नसीरुद्दीन का चरित्र दिलचस्प है। वे अपने पारंपरिक पेशे में माहिर हैं; वे ऐसे कलाकार हैं जिनकी कला उनके साथ ही लुप्त होने को है। उनका बात करने का अंदाज बड़ा ही निराला है। यदि उनसे कोई सवाल पूछा जाए तो उसके बदले में वे अनेक सवाल पूछना शुरू कर देते हैं। बड़े ही घुमा-फिराकर जवाब देने तक पहुँच पाते हैं। अपने क्षेत्र में वे स्वयं को सर्वोच्च मानते हैं और अपने आप पर गर्व करते है।दार्शनिकता में सुकरात से कम नहीं हैं। बातूनी बहुत हैं, पर काम करने में उनकी जो आस्था और महारथ है वह अनुकरणीय है। वे आँखों में काइयाँ भोलापन, पेशानी पर मॅजे हुए कारीगर के तेवर लिए, चेहरे पर मौसमों की मार के साथ बात इस तरह करते मानो कविता; जैसे-वक्त से वक्त को मिला सका है कोई ! तालीम की तालीम भी बड़ी चीज होती है आदि। लेखिका तो उन्हें नानबाइयों का मसीहा कहती है।

(ii) **विदाई-संभाषण** पाठ में राजकुमार सुल्तान ने नरवरगढ़ से विदा लेते समय आँखों में आंसू भरकर कहा-"प्यारे नरवरगढ़! मेरा प्रणाम स्वीकार ले। आज मैं तुझसे जुदा होता हूँ। तू मेरा अन्नदाता है। अपनी विपद के दिन मैंने तुझमें काटे हैं। तेरे ऋण का बदला यह गरीब सिपाही नहीं दे सकता। भाई नरवरगढ़! यदि मैंने जानबूझकर एक दिन भी अपनी सेवा में चूक की हो, यहाँ की प्रजा की शुभ चिंता न की हो, यहाँ की स्त्रियों को माता और बहन की दृष्टि से न देखा हो तो मेरा प्रणाम न ले, नहीं तो प्रसन्न होकर एक बार मेरा प्रणाम ले और मुझे जाने की आज्ञा दे।"

(iii) धनराम मोहन को अपना प्रतिद्वंद्वी इसलिए नहीं समझता था क्योंकि उसके मन में नीची जाति के होने की बात बचपन से बिठा दी गई थी। साथ ही साथ मोहन कक्षा में सबसे होशियार था। इस कारण मास्टर जी ने उसे कक्षा का मॉनीटर बना दिया था। मास्टर जी की यह भविष्यवाणी भी थी कि

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

एक दिन मोहन बड़ा आदमी बनकर स्कूल और उनका नाम रोशन करेगा।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (5 X 2 = 10 अंक)

(i) चित्रपट संगीत के क्षेत्र में लता बेताज सम्राज्ञी हैं और भी कई पार्श्व गायक-गायिकाएँ हैं, पर लता की लोकप्रियता इन सबसे अधिक है। उनकी लोकप्रियता का शिखर अचल है। लगभग आधी शताब्दी तक वे जन-मन पर छाई रही हैं। भारत के आलावा परदेश में भी लोग उनके गाने सुनकर पागल हो उठते हैं। यह चमत्कार ही है जो प्रत्यक्ष तौर पर देखा जा रहा है। ऐसा कलाकार शताब्दियों में एकाध ही उत्पन्न होता है।यह हमारा सौभाग्य है कि इतने महान कलाकार को हम अपनी आँखों से देख पाते है।

(ii) राजस्थान में वर्षा के जल को एकत्रित करने के लिए कुंई का निर्माण किया जाता है। जब वर्षा अधिक मात्रा में होता है तो वह मरुभूमि में रेत की सतह में समा जाता है और धीरे-धीरे रिसकर कुंई में जमा हो जाता है| जिस स्थान में कुंई की खुदाई की जाती है, उस स्थान को ईंट और चूने द्वारा पक्का कर दिया जाता है। कुंई की गहराई सामान्य कुओं की तरह ही होती है लेकिन इसके व्यास में बहुत अंतर होता है। सामान्य कुओं का व्यास पन्द्रह से बीस हाथ का होता है जबकि कुंई का व्यास चार या पाँच हाथ का होता है।

(iii) लेखिका अपने पति को छोड़कर बच्चों के साथ रहती थी, इस कारण मोहल्लेवासियों का रवैया अच्छा नहीं था। वे अपनी बातों से उसे हर समय परेशान करते थे। महिलाएँ उससे तरह-तरह के सवाल करती थीं। कुछ पुरुष उसके साथ बात करने की कोशिश करते थे तो कुछ उसे ताने देते थे। औरतें उसके अकेले रहने का कारण पूछती थीं। लोग पानी के बहाने उसके घर के अंदर तक आ जाते थे। वे उससे अजीबो-गरीब सवाल पूछते जिनके जवाब लोकलिहाज से परे थे। दुखी होकर उसने मकान बदलने का फैसला किया।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in